रफ कार्य हेतु स्थान।
SPACE FOR ROUGH WORK

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमाक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमाक (3)+(4)= अक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3) (4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.5) What measures can be taken for the personal development of children ?
बच्चो के व्यक्तिगत विकास के लिये क्या किया जा सकता है ?

उत्तर : उपर्युक्त प्रकरण में बच्चों के व्यक्तित्व विकास में मूल्य परक (सामाजिक + राष्ट्रीय मूल्य) शिक्षण की बात की गई है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिये निम्नलिखित उपाय हो सकते हैं-

सामाजिक स्तर :- परिवार समाज की धुरी है। अतः परिवार में उच्च मानवीय मूल्यों का अनुकरण हो, एक दूसरे के प्रति सम्मान, प्रेम, दया, करुणा, समन्वय - सहयोग के साथ मैत्री पूर्ण संबंध, कर्तव्य के प्रति समर्पण हो। आध्यात्मिक जीवन शैली का अनुकरण, धार्मिक सम्मेलन, सभाएँ आदि के माध्यम से संभव है।

राष्ट्रीय स्तर - राष्ट्र के प्रति प्रेम व समर्पण के लिए राष्ट्रीय समारोह यथा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, आदि में भागीदारी के माध्यम से। साथ ही राष्ट्रीय कार्यक्रमों, खेल आयोजन, देश भक्ति का विकास जैसे कार्य क्रम के साथ-

बच्चों में तीनों स्तरों पर यथा - व्यक्तिगत स्तर, सामाजिक एवं व्यावसायिक स्तर पर मूल्य परक शिक्षा के माध्यम से नैतिक - सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.4) Mention the major components related to personality development.

व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रमुख अवयवों को उल्लेखित करें।

उत्तर : उपर्युक्त प्रकरण में शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्तित्व विकास को माना गया है। और व्यक्तित्व विकास के लिए सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों के समावेश की चर्चा की गई है। प्रमुख सामाजिक व राष्ट्रीय मूल्य हैं-

1. सच्चरित्रता - कार्य, व्यवहार में उत्तम चरित्र
2. ईमानदारी - स्वयं एवं समाज के प्रति।
3. प्रेम - लोगों में भाईचारा - सद्भाव हेतु।
4. करुणा - जीव जगत के प्रति करुणा हो।
5. सहृदयता - सब के मध्य सौहार्द हो।

इन सामाजिक मूल्यों के अतिरिक्त राष्ट्रीय मूल्य

1. सत्यनिष्ठा - कार्यों एवं विचारों में स्वच्छता हो।
2. नेतृत्व क्षमता - आगे बढ़कर कार्य करने की क्षमता
3. संवेगात्मक बुद्धि - भावनाओं का प्रबंधन - एवं नियंत्रण
4. लोक कल्याण - जन कल्याण की भावना हो
5. समानुभूति - लोगों के सुख : दुःख को समझ
6. कर्तव्य परायणता एवं कर्तव्य बोध का ज्ञान।

इन मूल्यों के अतिरिक्त वे सभी गुण जो समाज एवं राष्ट्र के एकीकरण एवं शांति-स्थापित करने में सहायक हो, व्यक्तित्व विकास में हों

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमाक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अकों का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अक (30+35)=65

Note Question No (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no (3) (4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.3) Education should not be a medium of employment, in this context, submit your views.

शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम ना बनकर रह जाये, इस सन्दर्भ मे आपना विचार प्रस्तुत करे।

उत्तर : प्रस्तुत प्रकरण में स्पष्ट स० वर्णित है कि वाणिज्यिक ने शिक्षा को रोजगार पाने का एक साधन मात्र बना दिया, जिसमें सिर्फ आर्थिक हित समाहित है। उसमें केवल उपभोक्तावादी, पूंजीवादी संस्कृति का विकास होगा। जबकि भारतीय संविधान लोक कल्याणकारी राज्य को अंगीकृत किये हुए है। प्रस्तावना में राजनैतिक, सामाजिक के साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था का लक्ष्य निहित है साथ ही व्यक्ति के अधिकार/कर्तव्यों का उल्लेख है।

अतः शिक्षा के माध्यम से सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का विकास सुनिश्चित करना अपरिहार्य है। मूल्य विहीन शिक्षा व्यक्तित्व के विकास में अवरोध पैदा करती है। उसमें व्यक्ति की स्वेच्छाचारिता एवं स्वच्छंदता बढ़ती है। जो किसी न किसी रूप से समाज व राष्ट्र के प्रति संकट उत्पन्न करता है। देश और समाज में बढ़ते अपराध, बलात्कार, नक्सली, धर्म, साम्प्रदायिक हिंसा, सांप्रदायिक गतिविधियाँ, मूल्य विहीन शिक्षा की देन है। जो पाशविक प्रवृत्ति का परिचायक है।

निष्कर्षतः प्रकरण में व्यक्तित्व के विकास में राष्ट्रीय एवं सामाजिक मूल्य परक शिक्षा पद्धति के समावेशन की बात की गई है, जो राष्ट्रहित में है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.2) What are the benefits of value added education ?

मूल्य परक शिक्षा के क्या-क्या लाभ है ?

उत्तर : उपर्युक्त प्रकरण में यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा के वाणिज्यीकरण से केवल व्यक्ति के आर्थिक पक्ष (रोजगार) पर बल दिया गया है, जबकि शिक्षा का मूल लक्ष्य सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेशी व्यक्तित्व विकास में सन्निहित था। मूल्य परक शिक्षा के लाभ :-

1. नैतिकता - नैतिकता के विकास से समाज व देश में नियम और कानून का पालन आसान हो जाता है।
2. राष्ट्रभक्ति - उच्च मूल्यों एवं आदर्श युक्त व्यक्ति स्वहित के स्थान पर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।
3. तीव्र आर्थिक विकास - मूल्य के अनुपालन से सब एक साथ राष्ट्रीय विकास में सहभागी होकर कार्य करते हैं।
4. सामाजिक शांति एवं सुरक्षा को बल मिलता है।
5. कानून एवं व्यवस्था नियंत्रण में अतिरिक्त खर्च कम होता है।
6. कार्य कुशलता एवं कर्तव्य परायणता में अभिवृद्धि होती है।
7. सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन में आसानी होती है।
8. भ्रष्टाचार एवं कालाबाजारी पर नियंत्रण हो जाता है।

अंततः मूल्य परक शिक्षा के माध्यम से व्यक्तिगत उन्नति के साथ साथ सामाजिक व राष्ट्रीय उन्नति के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

30-35 65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.1) What is the reason for commercialization of education ?

शिक्षा के व्यवसायीकरण के क्या कारण है ?

उत्तर : 'आय के द्वार भरन को, तोड़ा लगे उपाय'

उपर्युक्त प्रकरण में इसी तथ्य की ओर संकेत है। शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से हटकर गौण हो गई। बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश करना था, किंतु वाणिज्यिकरण के उपरांत शिक्षा एक रोजगार पाने का माध्यम बन कर रह गई। शिक्षा के व्यवसायीकरण के प्रमुख कारण निम्नवत है

1. शिक्षा में प्रतिस्पर्धा का विकास करना, जिससे शिक्षा के लिए बेहतर विकल्प व अवसर सुलभ हो।
2. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना जिससे उच्च शैक्षणिक मानदंड स्थापित हो सके।
3. सामाजिक तथा आर्थिक विकास में शिक्षा को सहायक बनाकर राष्ट्रीय एवं एकीकरण को बढ़ावा देना।
4. मांग-आधारित नवीन पाठ्यक्रम का सृजन करना
5. शिक्षा की पहुँच को जन जन तक, सुदूर क्षेत्रों में पहुंचाना। वंचित समूहों को शिक्षा से जोड़ना।
6. राष्ट्रीय एकीकरण एवं बेहतर प्रबंधकीय एवं कौशल युक्त मानव संसाधन का विकास करना।

निष्कर्षतः जन सामान्य एवं समावेशी शिक्षा प्रणाली का विकास व्यापक व्यवसायीकरण से ही संभव है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4) In the present scenario, if government schools are left out, almost education has been commercialized. Today education is only a means of getting employment. The basic value of education is the development of personality, but the sad aspect is that the development of personality itself has been commercialized. Social and national values are not included in the personality development of the child.

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि सरकारी विद्यालयों की छोड दिया जाये जहाँ लगभग शिक्षा का व्यावसायीकरण हो चुका है। जो शिक्षा का रोजगार पाने का एक साधन मात्र है। शिक्षा का बुनियादी मूल्य व्यक्तित्व का विकास है लेकिन दुःखद पहलू यह है कि व्यक्तित्व के विकास का ही व्यवसायीकरण हो गया है। बच्चे के व्यक्तित्व विकास में सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश नहीं किया जाता है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नो पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35=65)

प्रश्न (3 3) Continued (जारी)

प्राप्तांक

1. शादी के महत्व एवं दायित्व पर चर्चा - चूंकि शादी एक सामाजिक एवं 'धार्मिक अनुबंध' है, जो अपने साथ कई कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वाह करती है। अतः अल्प विकसित अवस्था में इन उद्देश्यों की पूर्ति में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इससे न सिर्फ शिक्षा के अधिकार से बल्कि व्यक्तित्व विकास से वंचित होंगे।

2. सामाजिक कुप्रथा को मिटाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए उन्हें जागरूक करेंगे। सामाजिक कुप्रथाओं से उपजी बुराईयों के अंत में सहयोग की अपील करेंगे।

3. शादी को माँ समान के विकल्प से ज्यादा जीवन के महत्व को महत्ता प्रदान करेंगे। क्योंकि शादी-मात्र समाज के लिए जिन्दगी दाँव पर लगाना अनुचित है।

4. अल्प वयस्क में शादी करने से उपजी शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से अवगत करायेंगे।

5. चूंकि 'आर्थिक हित' भी प्रभावित हो रहे हैं। शादी करने से व्यापक तौर पर आत्मनिर्भरता की बर्बादी होती है। अतः शादी के लिए 'कन्यादान योजना' जैसे कार्यक्रमों से सहायता का प्रावधान करेंगे।

6. साथ ही सरकार की नीतियों एवं कानूनों से अवगत करायेंगे। तथा दण्ड सम्बन्धी प्रावधानों का हवाला देंगे। निश्चय ही इन कर्तव्यों का पालन आवश्यक,

निष्कर्ष रूप में इन कर्तव्यों के माध्यम से मित्र के साथ-साथ उपस्थित समीप एवं आकृति को 'शीतलता' एवं कांतिमान लाभ होगा।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.3) What is your duty as a friend?
एक मित्र होने के नाते आपका क्या कर्त्तव्य है ?

उत्तर : "जे न मित्र दुःख होहिं दुखारी।
तिन्हहि बिलोकत पातक भारी॥"

उपर्युक्त प्रकरण में 'राम चरित मानस' की यह चौपाई एक दम उपयुक्त नजर आती है। प्रकरण 'सच्चे मित्र की महत्ता' और उसकी 'मर्यादा' का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है।

चूंकि उपर्युक्त प्रकरण में शादी का समारोह एक 'लोकप्रिय यार' के यहाँ है। परिजन मेरा आदर-सत्कार भी करते हैं, और गौरवान्वित भी महसूस करते हैं। बचपन का मित्र होने के नाते मैं उसकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति से भली भांति परिचित हूं। सामाजिक दबाव एवं 'कुप्रथा' के साथ कमजोर आर्थिक स्थिति उन्हें जानबूझकर न चाहते हुए अल्प वयस्क-अवस्था में शादी के लिए मजबूर कर रही हो। चूंकि मैं एक जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी के साथ साथ रमेश का मित्र भी हूं। ऐसे में मुझे संवैधानिक एवं प्रशासनिक कदम उठाने की पूर्ण आजादी है। एक मित्र के नाते मेरे निम्न लिखित कर्तव्य होंगे-

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमाक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नो पर अको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमाक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.2) Continued (जारी)

प्राप्तांक

आधुनिक दृष्टि से यह विकल्प सही प्रतीत लगता है ऐसी उपस्थिति से न सिर्फ मित्र व उसके माता पिता बल्कि समाज में भी सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किंतु ऐसी उपस्थिति से एक सामाजिक कुप्रथा को संरक्षण प्राप्त होगा तथा कानून की अवहेलना एवं बालिका के अधिकारों की वंचना भी उजागर होती है। यह कदम मुझे सामाजिक दायित्व से विमुख करता है। अतः विकल्प (2) अनुपयुक्त है।

विकल्प 3 विकल्प (3) प्रभावी एवं सशक्त कदम उठाने को उल्लेखित करता है। जो निश्चित ही एक अच्छा उपाय होगा। चूंकि इस कदम से न सिर्फ बालिका के अधिकारों की सुरक्षा अपितु सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने में सहायक होगा।

चूंकि शादी एक दिन सूर्य प्राप्ति के बाद है, ऐसे में 'अनुनय-विनय' के साथ साथ 'प्रशासनिक कदम' उठाने का वक्त है। चूंकि शादी बचपन के मित्र की बहन की है। अतः जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि होने वाले अपराध को रोक लिया जाये तथा सामाजिक प्रथा को कमजोर कर समाप्त किया जाये। अतः विकल्प (3) सर्वोत्तम है, उपयुक्त है।

निष्कर्षतः उपयुक्त प्रकरण के आलोक में विकल्प (3) के माध्यम से मैं अपने नैतिक सामाजिक एवं व्यावसायिक दायित्वों का निर्वहन कर सकता हूं।

30+35 65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3) (4) Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.2) What would you do as an officer in such a situation?
ऐसी स्थिति में अधिकारी होने के नाते आप क्या करेंगे ?

उत्तर : उपर्युक्त प्रकरण में एक प्रशासनिक अधिकारी के नाते निम्न लिखित विकल्प उपलब्ध होंगे :-

विकल्प –
- → 1. शादी में सम्मिलित न होना।
- → 2. अपनी भावनाएं दबाकर शादी करवाना।
- → 3. सकारात्मक प्रभावी कदम उठाना।

विकल्प 1 - शादी में सम्मिलित न होना।
उपर्युक्त प्रकरण की मौजूदा परिस्थिति में यह विकल्प प्रथम दृष्टया उपयुक्त नजर आता है। इसमें मैं अपने आप को शादी से अलग रख सकता हूं, साथ ही मित्र की बहन के शादी समारोह में अवरोध पैदा करने से मुक्त रहूंगा। किंतु मेरे (SDM अधिकारी) श्रेयस्कर नहीं होगा, क्योंकि इससे मैं अपने सामाजिक एवं प्रशासनिक दायित्व से विमुख हो कर सामाजिक बुराई को बढ़ावा देने का कार्य ही करूंगा। इस कदम से मैं अपराध बोध की भावना से जीवन भर ग्रसित हो सकता हूँ। अतः विकल्प 1 उपयुक्त नहीं।

विकल्प 2 यह विकल्प अभिव्यक्त करता है कि शादी में अपनी भावना दबाकर शादी सम्पन्न करवाऊँ।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies Distribution of marks on questions respectively question no (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

प्राप्तांक

जीवन के विभिन्न आयामों में बुरा असर पड़ेगा। साथ ही उसके व्यक्तित्व विकास और क्षमता पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। अतः निर्णय बाल विवाह में न तो वह व्यक्तिगत दायित्वों का न ही पारिवारिक दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर सकेगी, फलस्वरूप मानसिक, शारीरिक प्रताड़ना, आत्महत्या, आदि समस्याओं का भविष्य में सामना करना पड़ सकता है।

- **सामाजिक मूल्य** : चूंकि शादी एक सामाजिक दायित्व है। प्रत्येक माता पिता सुयोग्य वर ढूंढकर कन्यादान करते हैं। किंतु सामाजिक मान प्रतिष्ठा के साथ अल्प वयस्क अवस्था में शादी एक कुप्रथा है उसे समाप्त करना समाज व शासन का दायित्व है। यह भी मूल्य संघर्ष की स्थिति

प्रशासनिक मूल्य : चूंकि प्रकरण में अल्प वयस्क लड़की की शादी की जा रही है, जो कि कानूनी रूप से अपराध है। प्रकरण यह भी स्पष्ट करता है कि कुछ एक दिन पूर्व स्वयं निमंत्रण गई हो। यदि मैं कुछ सख्त कदम नहीं उठा पाया तो मेरी सत्यनिष्ठा, कर्तव्य परायणता, संवेदनशीलता जैसे मूल्य संघर्ष रत होंगे। साथ ही प्रशासनी उत्पन्न न कर पाने में प्रशासनिक उत्तरदायित्व एवं अनुपालन बोध, की भावना में कुछ नहीं हो पाएगा। इन मूल्यों का परस्पर संघर्ष प्रतीत होता है।

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3) (4) Marks (30+35) 65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.1) What values are struggling in the episode.
प्रकरण में कौन –कौन मूल्य संघर्षरत है।

उत्तर : उपर्युक्त प्रकरण में स्थापित एक बूढ़े, गुणातीत का आचरण उठा रहा है।
एक प्रशासनिक अधिकारी को उन्हीं कार्यों/गुणों का कार्यान्वयन करना है।
चूंकि प्रस्तुत प्रकरण में उल्लेखित है कि शादी का कार्यक्रम बचपन के मित्र रमेश के यहाँ है, प्रकरण यह भी संदर्भित करता है कि अधिक उम्र में शादी एक मान्य प्रथा है। साथ ही प्रकरण में निर्दिष्ट है कि लड़की 18 वर्ष से कम उम्र की है। इसके अतिरिक्त प्रकरण में शादी के एक दिन पूर्व ही खबर मिलती है।
उपर्युक्त प्रकरण में निम्नलिखित मूल्य संघर्षरत हैं

नैतिक मूल्य → [संघर्षरत मूल्य] ↔ प्रशासनिक मूल्य
↓
सामाजिक मूल्य

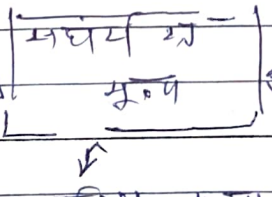

नैतिक मूल्य :- चूंकि प्रकरण में एक अल्प वयस्क लड़की की शादी को उठा रहा है। ऐसे में न केवल उसकी शारीरिक, मानसिक आदि.

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नो पर अको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note Question No (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3 1) You are SDM, your childhood friend Ramesh's sister is going to get married, you have been invited to the wedding, when you reach there, you come to know that the girl is under 18 and you get to know this the day before the wedding and it is a recognized practice in that society In that society, marriage is judged with respect, and your friend's financial situation is also not right In this way you have-

आप एक एस.डी.एम. है, आपके बचपन के मित्र रमेश की बहन की शादी है, आपका शादी में बुलाया गया है जब आप वहाँ पहुँचते हो, आपको पता चलता है, कि लडकी की उम्र 18 वर्ष से कम और आपको यह पता शादी के एक दिन पहले ही पता चला, तथा उस समाज मे यह मान्यता प्रथा है। उस समाज मे शादी को मान–सम्मान से आँका जाता है, साथ ही आपके मित्र की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है।

ऐसे आपके पास–

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.18) Continued (जारी)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.18) What is Pratityasamutpada in Buddhist thought?

बौद्ध चिंतन में प्रतीत्य–समुतपाद क्या है?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks 6x10=60

प्रश्न (2.17) Continued (जारी)

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है) 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.17) 'The field of Public Administration is a field of business.' comment.

'लोक प्रशासन का क्षेत्र व्यापार का क्षेत्र है' टिप्पणी करें?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उनर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2 16) Continued (जारी)

प्रश्न 2 निम्नलिखित म से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2 16) Analyze the main provisions of the code of conduct for civil servants.

लोक सेवकों की आचार संहिता के मुख्य प्रावधानों का उल्लेख करें?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10 60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M - 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.15) Continued (जारी)

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंक का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.15) 'Tagore was not only a poet but a humanist thinker' clarify the humanist ideology in this statement?

'टैगोर एक कवि ही नहीं अपितु एक मानवतावादी चिन्तक थे' इस कथन में मानवतावादी विचारधारा को स्पष्ट करें ?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है।

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.14) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

वेतन। सेवार्थी तक आसानी पहुँच होगी।

• पुरस्कार एवं प्रशंसा : उत्साह वर्द्धन एवं क्षमता के वृद्धि करने से कार्य को सम्मान देकर उच्च नैतिक मूल्यों का विकास किया जा सकता है।

दण्ड का विधान : दण्ड के भय से भ्रष्टाचार की क्रिया कम होगी, एवं नैतिक मूल्यों की अनुपालना आसान हो जाती है। यह भय बिन हानि प्रीति। का उदाहरण है।

अन्य प्रयास : लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए प्रशासनिक स्तर पर रचनात्मक कार्यों को वरीयता देकर किया जा सकता है।

• प्रशासनिक स्तर पर आदर्श/सिद्धांत, चिंतन, चरित्र एवं स्वाधीनता के विकास से नैतिक मूल्यों का विकास किया जा सकता है।

• कार्यान्वयन के स्तर पर प्रभावी मानकता एवं दृढ़-इच्छा शक्ति से नैतिक मूल्यों का संवर्धन किया जा सकता है।

उपरोक्त माध्यमों के साथ साथ वैश्विक अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों को बनाने में नैतिक मूल्यों की भूमिका अहम होती है। कार्य की दक्षता एवं समय की उत्पादकता हेतु नैतिक मूल्य अपरिहार्य है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित म से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.14) Measures to develop moral values in public servants ?

लोक सेवको मे नैतिक मूल्यों को विकसित करने के उपाय ?

उत्तर : लोक सेवाओं के प्रभावी एवं उद्देश्य पूर्ण क्रियान्वयन में नैतिक सद्गुणों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए निम्नांकित उपाय कारगर हो सकते हैं :-

- आचरण संहिता — उपाय — विधि-नियम
- संविधान का पालन — पुरस्कार-सम्मान
- जवाबदेहिता — उत्तरदायित्व
- दण्ड विधान

आचरण संहिता — नीति नियमों का एक समूह जो लोक सेवकों का मार्गदर्शन एवं नियंत्रण करने में सहायक होती है।

संविधान — भारत का संविधान देश की सर्वोच्च विधि है जो शासन के उद्देश्य व लक्ष्य का निर्धारण व मार्गदर्शन करती है।

- जवाबदेहिता एवं उत्तरदायित्व — इनके माध्यम से कार्य निष्पादन में शुचिता तथा विवेकाधीन शक्तियों के दुरुपयोग पर रोक लगती है।
- तटस्थता एवं पारदर्शिता — इनके माध्यम से जनता में शासन के प्रति विश्वास और सेवाओं की गुणवत्ता

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.13) Continued (जारी)

भारत UNCAC का सदस्य है जो वर्ष 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के समक्ष लाया प्रस्तुत किया।

उद्देश्य - भ्रष्टाचार की रोकथाम हेतु कुशलता पूर्ण एवं प्रभावी प्रयास करना।

- भ्रष्टाचार की रोकथाम में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना।
- सदस्य देशों को तकनीकी सहायता एवं वित्त में सहायता।
- सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, पारदर्शिता एवं उचित प्रबन्धन को बढ़ावा देना।

प्रमुख प्रावधान : पांच क्षेत्रों को शामिल किया गया

1. निवारक उपाय
2. अपराधीकरण
3. (circled)
4. सम्पत्ति की वसूली
5. सूचना का विनिमय

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।

भ्रष्टाचार के विभिन्न प्रकारों को शामिल किया गया है जैसे रिश्वतखोरी, कार्यों का दुरुपयोग, निजी क्षेत्र का भ्रष्टाचार, व्यापार को प्रभावित करना आदि।

- भ्रष्ट साधनों से अर्जित सम्पत्ति की वसूली कर उसका स्वामित्व मालिकों को देना।

निष्कर्षतः UNCAC भ्रष्टाचार को नियन्त्रित करने में वैश्विक सहयोग को बढ़ाकर इसकी रोकथाम के प्रयास करने में सहायक है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.13) Manifesto against corruption by U.N.O ?
भ्रष्टाचार के विरूद्ध U.N.O. घोषणा पत्र ?

उत्तर : ~~महात्मा गांधी जी ने 'सिद्धांत विहीन' राजनीति को एक पाप माना है। सिद्धांत विहीन राजनीति भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। भ्रष्टाचार नियंत्रण के संदर्भ में 'UNO' का अभिसमय लाया गया है।~~

~~UNCAC अर्थात भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र का अभिसमय - भ्रष्टाचार तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र के अध्यक्ष 'कोफी अन्नान' के अध्यक्षता में अपनाया किया गया जिसके अन्तर्गत भ्रष्टाचार के विरोध में अन्तर्राष्ट्रीय सहमति बनी। इसमें 140 देश शामिल थे। वर्तमान में '187' देश शामिल है।~~

- ~~प्रारूप निर्माण (UNCAC) - हस्ताक्षर - 31 अक्टूबर 2003 - 9 दिसम्बर 2003~~
- ~~अध्याय 8~~ - ~~प्रभावी - 14 दिसम्बर 2005~~ - ~~अनुच्छेद - '71'~~

~~पहला (COSP) वर्ष 2006 - जॉर्डन में हुआ। वर्तमान सम्मेलन 8वां - 2019 - अबु धाबी में सम्पन्न हुआ।~~

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू/M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.12) Continued (जारी)

बाधाएं – उचित व निष्पक्ष निर्णय में हस्तक्षेप करती है।
- तटस्थता एवं वस्तुनिष्ठता को कमजोर करती है।
- तर्क में बाधा उत्पन्न कर नौकरशाही को अनुचित व पक्षपात की ओर प्रेरित करती है।

महत्व – सांवेगिक बुद्धि की सार्थकता इस बात में है इसके माध्यम से मानवीय संबंध स्वस्थ और बेहतर बनाये जा सकते हैं।
- साथ ही जीवन में कड़ी चुनौतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है।

अन्य लाभ – प्रशासनिक कार्य उत्पादकता में वृद्धि।
- समन्वय एवं सामंजस्य स्थापित करने में सहायक।
- अवधारणा की स्थिति का सकारात्मक निष्कर्ष तक पहुंचाने में सांवेगिक बुद्धि का महत्वपूर्ण योगदान।

विकास – सांवेगिक बुद्धि का विकास प्रशिक्षण। प्रशिक्षण के साथ साथ नैतिकता एवं नैतिक शिक्षा के आधार पर किया जा सकता है।

निष्कर्ष में यह कहा जा सकता है कि सांवेगिक बुद्धि प्रशासनिक सेवाओं में तनाव प्रबंधन व कर्तव्य निर्वहन में सकारात्मक भूमिका निभाती है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.12) What is emotional intelligence? explain its importance.

सावेगिक बुद्धि किसे कहते हैं? इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : सावेगिक बुद्धि से तात्पर्य व्यक्ति का अपने तथा दूसरों के मनोभाव को समझना, उन पर नियंत्रण करना और अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उनका सर्वोत्तम उपयोग करना है। सावेगिक बुद्धि दूसरों से व्यवहार करते समय, व्यक्ति के संवेगों तथा अन्य व्यक्ति को नियंत्रित करती है, ताकि शान्ति और सामंजस्य बनाया जा सके।

प्रसिद्ध अमेरिकी मनोवैज्ञानिक डेनियल गोलमैन ने अपनी पुस्तक Emotional Intelligence why it can matter more than IQ में सावेगिक बुद्धि के महत्व की व्याख्या प्रस्तुत की है।

- लाभ – प्रशासन के अंदर आंतरिक वैयक्तिक संबंध अच्छा
- प्रत्येक कर्मचारी की मनोवृत्ति एवं क्षमता के पूर्ण उपयोग में सहायक।
- निरंतर कार्य के लिए अभिप्रेरणा एवं आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखने में सहायक।
- नेतृत्व क्षमता के विकास एवं मजबूती करने में सहायक
- सांस्कृतिक बहुलता के प्रति सकारात्मक माहौल के सृजन में मददगार।
- व्यवहार की आक्रामकता कम करने, एवं मनोवृत्ति बदलने में सहायक

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है) 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

T/M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.11) Continued (जारी)

- उपजाऊ भूमि : जिन प्रदेशों की भूमि उपजाऊ होती है वहाँ प्रायः शाकाहार का प्रचलन मिलता है। वहीं इसके विपरीत परिस्थितियों में मांसाहार की प्रवृत्ति पायी जाती है।
- ऊँचा वृक्ष : पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में धैर्य और साहस मैदानी इलाकों से अपेक्षाकृत अधिक पाया जाता है। क्योंकि वे कठिन संघर्ष करते हैं।
- अन्य समाज से अन्तःक्रिया : जिन आदिवासी समाज से ग्रामीणों से सम्पर्क कम होता है उनमें रूढ़िवादिता अधिक पायी जाती है। इसके विपरीत प्राचीन राजधानी बड़े शहरों में मूल्यों में गतिशीलता मिलती है।
- जनांकिकी : विभिन्न समाजों में जनांकिकी भी मूल्यों के निर्धारण में अहम भूमिका निभाती है।

जनांकिकी के विभिन्न पहलू जैसे जाति प्रथा, लिंग अनुपात, जीवन प्रत्याशा आदि।

लिंगानुपात - जहाँ समान लिंगानुपात है वहाँ प्रायः एकल विवाह का प्रचलन है, जबकि अन्यथा स्थितियों में बहुपत्नी - बहुपति विवाह नजर आते हैं। जैसे → द्रौपदी - बहुपति विवाह (आदिवासी समाज)

- जीवन प्रत्याशा - समाजों की समृद्धि के साथ आयु मुख्य भूमिका, ... में अभाव / उत्तर आधुनिकता

निष्कर्ष : स्पष्ट है नैतिक मूल्य स्थिर नहीं बल्कि गतिशील एवं परिवर्तनशील हैं। सामाजिक संस्था के प्रबन्धन एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.11) Dimensions of moral values?

नैतिक मूल्यों के आयाम ?

उत्तर : नैतिक मूल्य से आशय उन मानवीय मूल्यों से है जो मनुष्य के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में सहायक होते हैं। जैसे सदाचार, प्रेम, करुणा आदि। नैतिक मूल्यों का पालन अर्थ गहरे नैतिक आदर्शों से है, जिन्हें उपलब्ध कराने के लिए नैतिक नियम बनाये जाते हैं।

नैतिक मूल्यों का विकास समाज के अन्दर होता है, किंतु उनका निर्धारण एवं विकास में अनेक आधारों की भूमिका होती है।

निर्धारक तत्व जैसे- भौगोलिक परिस्थितियाँ, समाज की आंतरिक क्रिया, नातेदारी, सांस्कृतिक सापेक्षता, अर्थव्यवस्था आदि।

• भौगोलिक परिस्थितियाँ - किसी प्रदेश विशेष की भौगोलिक परिस्थितियाँ वहाँ विभिन्न मूल्यों के निर्धारण में महती भूमिका निभाती हैं। जैसे तापमान - जैसे अरब देशों में प्रायः धूल भरी आँधियाँ चलती रहती हैं, जिनसे बचने के लिए वहाँ महिलाएँ प्रायः बुर्का पहनती हैं, तथा पुरुष ज्यादा वस्त्र पहनते हैं। जबकि उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों के लोग खोले-ढाले कम वस्त्र पहनते हैं। खानपान में मद्य का प्रयोग करते हैं। यूरोप में भी चलन जाता है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दो में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2 10) Continued (जारी)

आज मानव विकास सूचकांक के मुख्य सूचक भी वही हैं। जिनकी कल्पना तुलसी दास ने मध्य काल में की।

तुलसी का मानना था कि राज्य को प्रजा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए -

"जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी, सो नृप अवसि नरक अधिकारी ॥" आज अच्छे अभिशासन का मुख्य तत्व यही 'प्रतिबद्धता' (जवाबदेही व उत्तरदायित्व) में है।

समकालीन राजाओं महाराजाओं को सचेत करते हुए

"जब जब होहि धरम की हानि।
बाढ़हि अधम, असुर अभिमानी
तब तब प्रभु धरि विविध शरीर
हरहि सकल सज्जन के पीरा ॥"

साथ ही निर्गुण - सगुण के भेद व संघर्ष पर उन्होंने लिखा - अगुनहि सगुनहि नहि कछु भेदा।
गावहि मुनि पुरान बुध वेदा ॥"

साथ ही शैव व वैष्णव के भेद को मिटाते हुए शिव और राम को एक दूसरे का पूरक बताया। तत्कालीन लोगों के भाग्य और पुरुषार्थ, भोग व त्याग के मध्य समन्वय स्थापित किया।

अतः तुलसी दास समन्वय की चेष्टा करने वाले विराट कवि हैं। उनकी इस समन्वय भावना ने मध्यकाल के बिखरते हुए समाज को बांधने का कार्य किया। तथा भविष्य के लिए समाज हित।

—॥—

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.10) Tulsidas's philosophy is based on coordination. Explain.
तुलसीदास का दर्शन समन्वय पर आधारित है स्पष्ट कीजिए।

पू./M = 06

प्राप्तांक

उत्तर : गोस्वामी तुलसीदास जी भक्ति काल के सर्वश्रेष्ठ कवियों में से एक हैं। उनका काव्य एवं उनका दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि तत्कालीन समय में था।

तुलसी की प्रासंगिकता का एक मुख्य कारण उन समस्याओं की निरन्तरता है, जो 'कलियुग' में विद्यमान थीं, और आज भी प्रासंगिक हैं। तुलसी ने, तत्कालीन समस्याओं से निपटने हेतु 'राम राज्य' की कल्पना की। राम राज्य का लक्षण व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा :-

"राम राज राजत सकल, धरम निरत नर नारि।
राग न रोष न दोष दुख, सुलभ पदारथ चारि॥"

आज एक लोक कल्याणकारी राज्य का मुख्य उद्देश्य लोगों की आधारभूत बुनियादी आवश्यकताएं पूरी करने का प्रयास ही प्रतीत हो रहा है।

एक आदर्श समाज / राज्य के लिए लोगों के स्वास्थ्य समृद्धि की कामना व्यक्त करते हुए लिखा-

"अल्प मृत्यु नहिं, कवनिउ पीरा
सब सुंदर सब बिरुज सरीरा॥
नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना
नहिं कोउ अबुध, न लच्छन हीना॥"

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है। 6x15=90

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.9) Continued (जारी) पू./M = 06 प्राप्तांक

पूर्वाग्रह एवं विभेद को अल्पतम करने के उपाय :-

उपाय -
- → संज्ञानात्मक
- → भावनात्मक
- → कार्यात्मक

संज्ञानात्मक स्तर के माध्यम से ज्ञान का विकास कर, तथ्यों को निष्पक्षता के साथ परीक्षण व जाँच करना। तथ्यों एवं व्यापक आंकड़ों के विश्लेषण उपरांत निष्कर्ष का निर्माण करना। पूर्व धारणा को विचार एवं वैज्ञानिक तर्कों से आंकलन करना आदि।

भावनात्मक स्तर पर लोगों में मानवीय मूल्य एवं सामाजिक गुणों का विकास करना। लोगों को उन कारकों प्रवृत्तियों का विरोध करना। सामाजिक सद्भाव बढ़ाना।

कार्यात्मक स्तर पर न्यायप्रिय नीतियों एवं नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन करना। साथ ही सामाजिक कार्यों द्वारा प्रचार प्रसार करना। साथ ही जन जागरूकता जन संचार को बढ़ावा आदि।

अन्य प्रयास :- शिक्षा में वैज्ञानिकता को बढ़ावा आदि।
सतत एवं समावेशी विकास आदि।

उपर्युक्त उपायों के माध्यम से इन समस्या को अल्पतम कर लोकतांत्रिक लक्ष्यों की प्राप्ति संभव होगी।

--||--

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.9) Define prejudice and discrimination and measures to reduce it?

पूर्वाग्रह व विभेद को परिभाषित करें तथा कम करने के उपाय बताएं?

उत्तर : पूर्वाग्रह एवं विभेद प्रथम दृष्टतया सामान्य प्रतीत होते हैं। किंतु मूल रूप से ये अंतर निहित हैं ये नैतिकता के अनुकूल नहीं हैं, उन्हें न्यूनतम करने के प्रयास जरूरी हैं, ताकि सबका विकास, सबका विश्वास स्थापित किया जा सके।

• पूर्वाग्रह का सामान्य अर्थ किसी व्यक्ति, वस्तु के प्रति बिना परखे, तथ्यों को बिना जाने किये सकारात्मक या नकारात्मक पूर्व अवधारणा के निर्माण से है। उदाहरण जन जातियाँ असभ्य होती हैं।

विभेद का सामान्य अर्थ कुछ वर्गों, समुदायों को सामाजिक, योजनाओं एवं नीतियों, कार्यक्रमों से दूर रखना। उदाहरण - लिंग असमानता, आदि।

- पूर्वाग्रह एवं विभेद से हानियाँ निम्नवत है -
- समता और अवसर को कम करती है।
- समाज में वर्गीय भेद को बढ़ाती है।
- न्यूनतम लोगों का अधिकतम लाभ करती है।
- असमानता की वृद्धि में सहायक।

इसके साथ ही नैतिक सार्वभौमिक मूल्यों का उल्लंघन करती है। इन दोनों को अल्पतम करने के प्रयास जरूरी हैं।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.8) Continued (जारी)

2. अर्जित (जन्म जात) या प्रशिक्षण द्वारा निर्मित-
उस विशेषता का लाभ निम्न लिखित :
- कौशल के विकास एवं परिमार्जन में सहायक।
- किसी विशेष क्षेत्र में सर्वोत्तम उत्कृष्टता हासिल करने में सहायक।
- अनुकूल वातावरण में समुचित कार्य कुशलता को प्राप्त करने में मददगार आदि।

अभिक्षमता परीक्षण कर निम्नांकित लाभ होते है-
- कार्य को दूरदर्शी एवं विश्लेषण तरीके से सम्पन्न करने में उपयुक्त।
- क्षमता की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में-कार्य के भावी परिणामों का समग्र आकलन।
- कुशल अभिक्षमता से कार्य विभाजन एवं समन्वय व नियंत्रण स्थापित करना आसान होता है।

अन्य लाभ : कार्य करने की मजबूत प्रवृत्ति।
- लोगों के साथ प्रभावशाली सामंजस्य स्थापित करना।
- रचनात्मक संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता।

उपर्युक्त विशेषताओं के होने पर प्रशासनिक अभिक्षमता किसी व्यक्ति में होती है। अभिक्षमता प्रशासकों में त्वरित निर्णय, नैतिक, दृढ़ इच्छाशक्ति निष्पक्षता, एवं संवेगिक गुणों का विकास कर समाज का लोक कल्याण किया जाता है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

6x10=60

प्रश्न (28) What is Aptitude ? explain the benefits of Aptitude.

अभिक्षमता किसे कहते है? विशेषताओं के लाभ स्पष्ट करें।

पृ./M - 06

प्राप्तांक

उत्तर : अभिक्षमता का अर्थ, मनुष्य की उन विशेषताओं का संयोग है, जो किसी विशेष क्षेत्र में पर्याप्त वातावरण एवं समुचित प्रशिक्षण द्वारा कुछ विशिष्ट कौशलों को अर्जित करने की सामर्थ्य या योग्यता को इंगित करता है। चयनित प्रशासकों में प्रशासनिक अभिक्षमता को विकसित करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ताकि उचित निर्णय एवं कार्य निष्पादन हो।

अभिक्षमता की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- आंतरिक सामर्थ्य का दर्शन
- अर्जित भी - जन्मजात प्रवृत्त
- विशिष्ट क्षेत्र में कौशल सीखने की क्षमता

इन विशेषताओं के लाभ निम्न हैं -

1. आंतरिक सामर्थ्य के प्रदर्शन से कार्यों के परिणाम का पूर्वानुमान लगाया आसानी से जा सकता है। आंतरिक सामर्थ्य का लाभ निर्णय वाली इकाई की उन्नत, संगठन की नेतृत्व तथा समन्वय एवं नियंत्रण द्वारा प्रशासनी तंत्र में कौशल पूर्ण लक्ष्य का अनुसरण करता शामिल है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.7) Continued (जारी)

आदर्श स्थिति में 'पूर्ण निरपेक्षता' संभव है। क्योंकि इस स्थिति में किसी प्रकार का न तो दबाव, लगाव या झुकाव नहीं होता है। किन्तु सामान्य परिस्थितियों में 'पूर्णता' का प्रत्यक्ष महज एक कल्पना ही प्रतीत होगी।

उदाहरण के तौर पर जब देश या राज्यों में चुनावों का आयोजन होता है तब बड़े व्यापक स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों की फेरबदल की जाती है। इससे यह प्रदर्शित होता है कि राजनीतिक दलों एवं लोक सेवकों में एक जुड़ाव पाया जाता है। अतः 'पूर्ण तटस्थता' नजर नहीं आती। एक अन्य उदाहरण यह भी सामने प्रकट होता है कि लोक सेवक - राजनीतिक गठजोड़ से भ्रष्टाचार, साथ ही सेवा निवृत्ति के बाद लोक सेवा - राज्य सभा में स्थान। साथ ही साथ ही सलाहकार संस्थाओं एवं पदों पर नियुक्ति - प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से 'पूर्ण तटस्थता' के नियम के विपरीत दिखलाई पड़ती है।

निष्कर्षतः इन विवरणों से यह स्पष्ट हो जाता है कि लोक सेवाओं में पूर्ण तटस्थता एक कल्पना मात्र है। 'कौटिल्य' ने भी वर्णित किया है, 'पानी में बैठे मीन, पानी का स्वाद लिये बिना, नहीं रह सकते' हैं।

—॥—

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.7) 'Absolute neutrality' in public service is a hypothesis. Explain.

लोक सेवा में 'पूर्ण तटस्थता' एक परिकल्पना है, स्पष्ट करें।

उत्तर : भारतीय संविधान की 'लोक कल्याणकारी' अवधारणा में 'लोकसेवकों' की अहम भूमिका होती है। लोक सेवक सत्ता और जनता के मध्य सेतु का कार्य करते हैं। यद्यपि वह अपने स्वरूप में तटस्थ रहता है किंतु 'प्रतिबद्धता' के रूप में उसका झुकाव किसी पर होता है वह 'पूर्ण तटस्थ' नहीं रह पाता।

इसी मूल भाव से लोक सेवकों में 'पूर्ण तटस्थता' का होना एक कल्पना मात्र लगता है।

'तटस्थता' और 'पूर्ण तटस्थता' में विभेद-

तटस्थता का सामान्य अर्थ कार्यों के निष्पादन में अपनी मूल भावना तथा प्रकार के राजनीतिक मूल्यों, सिद्धांतों, नियमों, लक्ष्यों के प्रति आसक्ति न होना।

लोक सेवाओं का कर्तव्य है कि सरकारी नियमों, विधियों एवं आदेशों का पालन करें, बिना किसी आलोचना या प्रभाव के। क्योंकि तटस्थता का वास्तविक अर्थ ही किसी के प्रति आग्रह न रखने की बात कर रहा है।

जबकि 'पूर्ण तटस्थता' एक चिर स्थायी स्थिति को प्रदर्शित करती है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.6) Continued (जारी) पू./M = 06 प्राप्तांक

3. कार्यस्थल स्तर – उक्त चरण में सीखे गये ज्ञान व अर्जित सामान्य समझ को व्यावहारिक रूप प्रदान करना शामिल हो। कार्य के प्रति ईमानदारी, समर्पण, कर्तव्य बोध का निर्माण हो।

समाज की भूमिका : भ्रष्टाचार नियंत्रण में – समाज की भूमिका 'सजग' प्रहरी की होनी है

- भ्रष्टाचार से उत्पन्न अवगुणों को प्रकट किया करें। समाज व राष्ट्रीय हित को वरीयता दे।
- स्वस्थ समाज में नैतिक गुणों का विकास करे भ्रष्टाचार को समाज से मुक्त करें।
- समूह, संगठनों के द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठायें।
- भ्रष्टाचार के लिए व्यक्तिगत प्रयासों का बहिष्कार करें। भ्रष्टाचार को उजागर करने का प्रयास करें।
- साथ ही भ्रष्टाचारी का 'हुक्का' व ईमानदारों को पुरस्कृत करने का प्रयास करें।
- भ्रष्टाचार सम्बन्धी नियमों कानूनों का प्रचार प्रसार करके जागरूकता बनाने का उपाय करे।

अतः यह कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार एक जटिल समस्या है किंतु समाज-परिवार में उच्च नैतिक गुणों के विकास से तथा प्रशासनिक एवं कानूनी प्रयासों से इसे अल्पतम करने में बल मिलेगा। साथ ही लोकतंत्र मजबूत होगा।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नो के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.6) Role of family and society in controlling corruption?

भ्रष्टाचार नियंत्रण मे परिवार व समाज की भूमिका ? पू./M = 06

प्राप्तांक

उत्तर : अरस्तु ने अपने दर्शन में मनुष्य को एक सामाजिक प्राणी माना है। व्यक्ति में नैतिक गुणों एवं सामाजिक मूल्यों का विकास परिवार एवं समाज में होता है। भ्रष्टाचार की समस्या भी समाज की देन है। अतः इसके नियंत्रण एवं निवारण में 'परिवार' एवं 'समाज' की भूमिका निम्न

परिवार →
1. संवेदनात्मक स्तर
2. भावनात्मक स्तर
3. कार्यात्मक स्तर

परिवार 'समाज' की सबसे छोटी 'इकाई' है। चरित्र निर्माण की प्रथम पाठशाला यहीं से आरम्भ होती है। अतः स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज व राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

संवेदनात्मक स्तर : वस्तुओं, व्यक्तियों के प्रति संवेदनात्मक अभिवृत्ति का विकास करना। उसे शुभ-अशुभ, उचित-अनुचित, सत्य-असत्य आदि गुणों से परिचित कराना शामिल है।

2. भावनात्मक स्तर : इस क्रम में वस्तुओं, व्यक्तियों के प्रति भावना, लगाव, जुड़ाव का भाव जागृत करना ताकि उनका महत्व सुनिश्चित हो सके।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10 60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M 06

प्राप्ताङ्क

प्रश्न (2.5) Continued (जारी)

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.5) Basic qualification for public servant ?

लोकसेवक के लिए आधारभूत योग्यता ?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.4) Continued (जारी)

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.4) Swami Vivekananda was a nationalist thinker. Explain

स्वामी विवेकानंद एक राष्ट्रवादी विचारक थे स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2 3) Continued (जारी)

... Write the answer ... of the following questions in maximum ... words. Each question carries ... marks. 6x10=60

Q/M - 06

प्राप्तांक

... Factors of Attitude Change

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.2) Continued (जारी)

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

पू / M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.2) Mention the reasons for corruption?

भ्रष्टाचार के कारणों का उल्लेख करे ?

उत्तर :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

6x10=60

प्रश्न (2.1) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.1) Without law and religion, values cannot be established, discuss with examples?

कानून तथा धर्म के बिना मूल्य स्थापित नही किए जा सकते, उदाहरण सहित चर्चा करें ?

उत्तर :

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अकों का है। 3x15=45

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (1.11) Importance of tolerance in public servants (लोकसेवक में सहिष्णुता का महत्व) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : लोक सेवकों में सहिष्णुता का महत्व

• न्यायपालिका, समन्वय एवं मूल्यों हेतु

• टकराव को न्यूनतम करने में

• निष्पक्षता से कार्य करने में

प्रश्न (1.12) Honesty (ईमानदारी) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न (1.13) Objectivity (वस्तुनिष्ठता) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न (1.14) Inability (असमर्थता) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न (1.15) International Transparency Commission (अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता आयोग) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का है। 3x15=45

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks

प्रश्न (1.6) Compassion fatigue (करूणा की थकान) पू /M 03 प्राप्तांक

उत्तर : करुणा की थकान से तात्पर्य प्राणियों की करुणा के साथ जागरूक एवं निवासी के प्रति निष्क्रिय संवेदना का होना।

प्रश्न (1.7) Ethical dilemma (नैतिक दुविधा) पू /M 03 प्राप्तांक

उत्तर : नैतिक दुविधा से आशय ऐसी परिस्थिति जिसमें निर्णयन में दो या अधिक नैतिक सिद्धांतों में टकराव होता हो। निर्णयकर्ता 'असमंजस' की स्थिति में। • ऐसा नैतिक सिद्धांतों में उचित मानदंड को चुनना।

प्रश्न (1.8) Political Dairy (पॉलिटिकल डायरी) पू /M 03 प्राप्तांक

उत्तर : पॉलिटिकल डायरी - पं. दीनदयाल उपाध्याय की रचना
• प्रवर्तक - एकात्म मानववाद, जनसंघ के संस्थापक
• समर्थक - अन्त्योदय, सर्वोदय

प्रश्न (1.9) Sympathy (सहानुभूति) पू /M 03 प्राप्तांक

उत्तर : सहानुभूति किसी के दुःख को महसूस करने की योग्यता है।

प्रश्न (1.10) The life devine (द लाइफ डिवाइन) पू /M 03 प्राप्तांक

उत्तर : द लाइफ डिवाइन - लेखक मौलाना अबुल कलाम आजाद

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का है। 3x15=45

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.1) Hot hand phenomenon (गर्म हाथ परिघटना)

उत्तर : गर्म हाथ परिघटना - एक सामाजिक अज्ञानात्मक पूर्वाग्रह। अर्थ - सफल परिणामों के अनुभवी व्यक्ति को आगामी प्रयासों में सफल होने की बेहतर संभावना का होना।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.2) Nolan committee (नोलन कमेटी)

उत्तर : नोलन समिति - सार्वजनिक जीवन के सात सिद्धांत 1) निःस्वार्थता; 2) सत्यनिष्ठा; 3) वस्तुनिष्ठता; 4) जवाबदेही; 5) खुलापन; 6) ईमानदारी; 7) नेतृत्व। उद्देश्य - लोक सेवकों के मार्गदर्शन हेतु।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य)

उत्तर : मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य - किसी वस्तु / विषय के बारे में पूर्व में उपलब्ध ज्ञान के आधार पर सकारात्मक या नकारात्मक अभिवृत्ति का विकास होना।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य)

उत्तर : चार आर्य सत्य - बौद्ध धर्म।

1. दुःख
2. दुःख समुदाय
3. दुःख निरोध
4. दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय)

उत्तर : शुचिता (Probity) से तात्पर्य व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक कार्य कलापों में पारदर्शिता से है, जो व्यक्तिगत एवं लोक सेवकों के प्रति जनता का विश्वास बढ़ाती है।

कौटिल्य एकेडमी

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS Paper-IV

Date : 06-03-2021

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें –
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें –.....

नाम Harivansh.....

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

○

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

Paper Code
GS Paper-IV

306666